WEST BENGAL STATE UNIVERSITY

B.A. Honours PART-I Examinations, 2018

HINDI-HONOURS

PAPER-HINA-I

Time Allotted: 4 Hours | Full Marks: 100

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates should answer in their own words and adhere to the word limit as practicable.

1. निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×10 = 10

(क) 'अभिनव जयदेव' किस कवि को कहा जाता है ?

(ख) किस कवि ने स्वयं को 'हिन्द की तूती' कहा है ?

(ग) भक्तिकाल की किस धारा पर अद्वैतवाद का प्रभाव पड़ा ?

(घ) 'भक्तमाल' के रचनाकार का नाम बताइए।

(ङ) 'संतन को कहाँ सीकरी सों काम' किस कवि की उक्ति है ?

(च) चिंतामणि त्रिपाठी किस काव्यधारा के कवि हैं ?

(छ) फोर्ट विलियम की स्थापना किस गवर्नर जनरल के कार्यकाल में हुई ?

(ज) 'ब्राह्मण' पत्रिका के संपादक का नाम बताइए।

(झ) 'प्रगतिशील लेखक संघ' का प्रथम अध्यक्षीय भाषण कब और किसके द्वारा दिया गया ?

(ञ) 'हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास' किसने लिखा है ?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं छः पर टिप्पणी लिखिए : 5×6 = 30

(क) आदिकाल का प्रकीर्ण साहित्य

(ख) सूफीमत

(ग) मसनवी शैली

(घ) अष्टछाप

(ङ) रीतिसिद्ध काव्यधारा

(च) फोर्ट विलियम कॉलेज

(छ) छायावाद

(ज) आत्मकथा

3. हिन्दी साहित्येतिहास के काल विभाजन और उसके विविध आधारों पर विचार कीजिए। 15

अथवा

'आदिकाल' के नामकरण की समस्या पर विचार करते हुए सर्वाधिक उपयुक्त नाम के पक्ष में तर्क दीजिए। 15

4. भक्तिकाल के उदय के कारणों पर विचार करते हुए भक्ति कविता की सामाजिक-सांस्कृतिक भूमिका स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

भक्तिकाल की दार्शनिक पृष्ठभूमि पर उदाहरण सहित विचार कीजिए। 15

5. रीतिकालीन अन्तर्धाराओं का उल्लेख करते हुए उनके साहित्यिक मुल्यों को स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

"आगे के सुकवि रीझिहैं तो कविताई ना तो राधिका कन्हाई सुमिरन को बहानो है।" भक्ति के अवसान और रीति के उदय के संबंध में भिखारी के इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए। 15

6. खड़ी बोली के साहित्यिक विकास पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

नवजागरण की अवधारणा पर विचार करते हुए हिन्दी नवजागरण की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 15

——×——

WEST BENGAL STATE UNIVERSITY

B.A. Honours PART-I Examinations, 2018

HINDI-HONOURS

PAPER-HINA-II

Time Allotted: 4 Hours — Full Marks: 100

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates should answer in their own words and adhere to the word limit as practicable.

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×10 = 10

(क) किस कवि को ‘अभिनव जयदेव’ की उपाधि प्राप्त है ?

(ख) ‘अगुनहिं-सगुनहिं नहिं कछु भेदा’ – किसकी उक्ति है ?

(ग) ‘नेही महा ब्रजभाषा प्रबीन’ – किसकी उक्ति है ?

(घ) बिहारी को ‘पीयूषवर्षी मेघ’ किसने कहा ?

(ङ) पुष्टिमार्ग के संस्थापक कौन हैं ?

(च) विद्यापति द्वारा अवहट्ठ में रचित एक कृति का नाम लिखिए।

(छ) सूरदास को ‘पुष्टिमार्ग का जहाज’ किसने कहा ?

(ज) ‘त्रिवेणी’ आलोचनात्मक कृति के रचनाकार कौन हैं ?

(झ) कबीर का निधन कहाँ हुआ था ?

(ञ) ‘साहित्य लहरी’ के रचनाकार कौन हैं ?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या किजिए : 10×3 = 30

(क) हरि जननी मैं बालक तोरा, काहे न औगुण बकसहु मोरा॥
सुत अपराध करै दिन केते, जननी कै चित्त रहै न तेते॥
कर गहि केस करे जो घाता, तऊ न हेत उतारै माता॥
कहै कबीर एक बुधि बिचारी, बालक दुखी दुखी महतारी॥

(ख) जोबन जोर मात गज अहै। गहहु ज्ञान आँकुस जिमि रहै॥
अबहिं बारि तुई पेम न खेला। का जानसि कस होइ दुहेला॥
गगन दीठि करुना तराहीं। सुरुज देखु कर आवै नाहीं॥
जब लगि पीउ मिलै नहिं, साधु पेम कै पीर।
जैसे सीप सेवाति कहँ, तपै समुद मँझ नीर॥

(ग) अपनो स्वारथ को सब कोऊ।
चुप करि रहौ मधुप रस-लंपट! तुम देखे अरु बोऊ॥
औरो कछु संदेश कहन को कहि पठयो किन सोऊ।
लीन्हें फिरत जोग जुवतिन को बड़े सयाने दोऊ॥
तब कत मोहन रास खिलाई जौ पै ज्ञान हुतोऊ ?

(घ) गनती गनिबे तै रहे, छत हूँ अछत समान।
अलि, अब ऐ तिथि औम लौं परे रहौ तन प्रान॥

(ङ) भोर तें साँझ लौं कानन ओर निहारति बावरी नेकु न हारति।
सांझ तें भोर लौं तारनि ताकिबो तारनि सों इकतार न टारति।
जो कहुँ भावतो दीठि परै घनानंद आंसुनि औसर गारति।
मोहन-सोहन जोहन की लगियै रहै आखिन के उर आरति॥

3. कबीर की भक्ति-भावना की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 12

अथवा

'पद्मावत' में निहित लोक-तत्व की विवेचना कीजिए। 12

4. तुलसीदास की समन्वय साधन्य का सोदाहरण विवेचन कीजिए। 12

अथवा

सूरदास के 'भ्रमरगीत' में अभिव्यक्त नारी चेतना का विश्लेषण कीजिए। 12

5. घनानंद के काव्य में निहित प्रेम के स्वरूप पर सोदाहरण आलोकपात कीजिए। 12

अथवा

बिहारी के नीतिपरक दोहों का महत्त्व बताइए। 12

6. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए : $6\times4 = 24$

(क) विद्यापति की लोक चेतना
(ख) जायसी का विरह-वर्णन
(ग) बिहारी की काव्य-भाषा
(घ) तुलसी की लोकमंगल की अवधारणा
(ङ) कबीर के राम
(च) सूरदास का वात्सल्य
(छ) घनानंद की काव्य-भाषा।

——×——